

सतगुरु आया मारे रिद्धि सिद्धि लाया भजन लिरिक्स



सतगुरु आया मारे रिद्धि सिद्धि लाया,

दोहा – सतगुरु मेरा बाणीया,
ओर बीणज करें व्यापार,
बीना डांडी बीन ताकड़ी,
गुरु तोल दीयो संसार।

सतगुरु आया मारे रिद्धि सिद्धि लाया,
ऐ मारा भरया भंडारा रेसी,
ओ माने शन्त मीलया उपदेशी,
सतगुरु आया मारे रिद्धि सिद्धि लाया। **lbd।**

खीर खांड रा अमृत भोजन,
ओ मारा सतगुरु कलेवा करंसी,
ओ माने शन्त मीलया उपदेशी,
सतगुरु आया मारे रिद्धि सिद्धि लाया। **lbd।**

ईणर काया में संता अमरत कुओ,
ऐ मारा सतगुरु हीलोला लेशी,
ओ माने शन्त मीलया उपदेशी,
सतगुरु आया मारे रिद्धि सिद्धि लाया। **lbd।**

कोयल जेसो रंग कागा को,
ओ इण कागा नै कोयल कुण केशी,
ओ माने शन्त मीलया उपदेशी,
सतगुरु आया मारे रिद्धि सिद्धि लाया। **lbd।**

सोना जेसो रंग पीतल को,
ओ पीतल ने सोनो कुण केशी,
ओ माने शन्त मीलया उपदेशी,
सतगुरु आया मारे रिद्धि सिद्धि लाया। **lbd।**



कहेत कबीरा सुणो भाई संता,
ओ यातो टेक भेक की रहसी,
ओ माने शन्त मीलया उपदेशी,
सतगुरु आया मारे रिद्धि सिद्धि लाया।bd।

प्रेषक – रतन पुरी गोस्वामी,
सावलीया खेडा,
8290907236
